देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 15 अंक: 159 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...नहीं मिला रोजगार

पेज थ्री

देहरादून, बृहस्पतिवार, 24 सितंबर 2020

PAGE 3 PUBLICATION

मौसम अधिकतम 31.0° न्यूनतम 21.0°

37244.59 | 2 | 100 प्रभावशाली लोगों की सूची में मोदी | 7 | तेंडुलकर ने की संजू सैमसन की तारीफ

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री से विधानसभा उपाध्यक्ष ने की भेंट

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने विधानसभा सत्र प्रारंभ होने से पहले विधानसभा उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह चौहान से उनके कक्ष में शिष्टाचार भेंट की।

बिहार के डीजीपी गुप्तेश्वर पांडेय ने ली स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पटना। बिहार के डीजीपी गुप्तेश्वर पांडेय से जुड़ी यह बड़ी खबर है। उन्होंने मंगलवार को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली। वे 1987 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी थे। गृह विभाग ने उनकी स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति की मंजूरी प्रदान कर दी है। कयास लगाए जा रहे हैं कि अब वे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के प्रत्याशी के रूप में बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। हालांकि, उन्होंने इस संभावना को खारिज करते हुए कहा है कि निकट भविष्य में एनका ऐसा कोई इरादा नहीं है। इस बीच राज्य सरकार ने फायर सर्विस व होमगार्ड के डीजी संजीव सिंघल को डीजीपी का अतिरिक्त प्रभार दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने फेसबुक को दी एक हफ्ते की मोहलत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा की ओर से जारी नोटिस को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक के भारत प्रमुख अजीत मोहन ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इस पर सुनवाई हो चुकी। सुप्रीम कोर्ट ने फेसबुक के वाइस प्रेसिडेंट और एमडी को शपत पत्र दायर करने के लिए एक हफ्ते का वक्ष्त दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि दिल्ली विधानसभा की शांति और सद्भाव समिति अगले आदेश तक बैठक आयोजित नहीं करेगी। इस मामले में अगली सुनवाई 15 अक्ष्टूबर को होगी। याचिका पर जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस कृष्ण मुरारी की पीठ सुनवाई कर रही है।

एक दिनी सत्र में सभी विधेयक पारित

कोरोना पर चर्चा की मांग को लेकर सदन में विपक्ष का भारी हंगामा

संवाददाता

देहरादून। कोरोना के साये में बुधवार को विधानसभा का एक दिनी मानसून सत्र शुरू हुआ। कोरोना पर चर्चा की मांग को लेकर विधानसभा सदन में विपक्ष कांग्रेस ने हंगामा किया। विपक्ष ने आरोप लगाया कि प्रदेश में कोरोना से 500 सौ से ज्यादा मौत हो चुकी है। इसलिए कोरोना पर चर्चा होनी चाहिए। इस दौरान विपक्षी विधायक वेल में पहुंच गए और कार्यसूची फाड़ दी। इस दौरान पीठ के समक्ष लगाई प्लास्टिक की सीट भी टूट गई। सदन में सभी विधेयक पारित किए गए। इसके बाद सदन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। वही, कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को सुबह 11 बजे राज्यपाल बेबी रानी मौर्य से मुलाकात करेगा। सत्र के दौरान सरकार विपक्ष की बात ना सुनने को लेकर

■ कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल आज सुबह 11 बजे राज्यपाल से करेगा मुलाकात

प्रतिनिधिमंडल मुलाकात करेगा।

इससे पहले कड़ी सुरक्षा और कोविड प्रोटोकॉल के बीच विद्यायकों को सदन में एंट्री दी गई। एक-एककर विधायक सदन में पहुंचे। सदन में मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, शिक्षा मंत्री अरविंद पांडेय और मदन कौशिक समेत करीब 33 विधायक पहुंचे। स्थगन के बाद सदन की कार्यवाही दोपहर एक बजे पुनः शुरू की गई। विधानसभा में सरकार ने सभी 19 विधेयक पारित कराए। इसके बाद सदन की कार्यवाही को दोपहर 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

सत्ता पक्ष के विधायक पूरण सिंह फर्त्याल ने नियम 58 के तहत कार्य स्थगन की सूचना दी, लेकिन स्पीकर ने फर्त्याल की

नियम 58 की सूचना का संज्ञान ही नहीं लिया। विधायक ने टनकपुर जौलजीबी मोटर मार्ग में फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर टेंडर करने से व्याप्त असंतोष की सूचना लगाई। बता दें कि विधायक फर्त्याल अपनी ही सरकार से नाराज चल रहे हैं। सदन में सत्ता पक्ष की ओर से मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, मंत्री मदन कौशिक, अरविंद पांडेय, सुबोध उनियाल, रेखा आर्या, सतपाल महाराज, विधायक मुन्ना सिंह चौहान, मुकेश कोली, भरत चौधरी व सुरेंद्र सिंह जीना मौजूद हैं, जबकि विपक्ष की ओर से प्रीतम सिंह चौहान, ममता राकेश, काजी निजामुद्दीन, मनोज रावत व निर्दलीय प्रीतम पंवार मौजूद हैं।

वहीं, कैबिनेट मंत्री यशपाल आर्य समेत 16 विधायक सत्र से वर्चुअली जुड़े हैं। ऐसा भी पहली बार हुआ है, जब कोरोना संक्रमण के चलते विधानसभा अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष व उपनेता प्रतिपक्ष सदन में मौजूद नहीं हैं। इस बार सत्र में प्रश्नकाल नहीं है।

दिग्गजों को श्रद्धांजलि दी गई

विधानसभा सत्र की शुरुआत में पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी, पूर्व विधायक स्व बृज मोहन कोटवाल और पूर्व विधायक स्व नारायण सिंह भैंसोडा को श्रद्धांजलि दी गई। जिसके बाद सदन की कार्यवाही शुरू हुई। सरकार की ओर से नौ अध्यादेश विधेयक के रूप में और 10 नए विधेयक पेश किए गए।

संसद परिसर पर विपक्ष का हल्ला बोल

किसान बचाओ और लोकतंत्र बचाओ के बैनर लहराए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्लीं। कृषि विधेयक के विरोध में सियासी सरगर्मी थमने का नाम नहीं ले रही है। इन विधेयकों के विरोध में विपक्षी दलों का प्रतिनिधिमंडल बुधवार शाम को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मिलने पहुंचा। इस दौरान राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद ने कहा कि लगभग 18 राजनीतिक दलों के नेताओं ने निर्णय लिया था कि माननीय राष्ट्रपति जी के सामने ये बात लाई जाए कि किस तरह से राज्यसभा में किसानों से संबंधित बिल पास किया गया। इस बिल को सरकार को राजनीतिक दलों से, किसान नेताओं से बात करके लाना चाहिए था।

सूत्रों के मुताबिक, मुलाकात से पहले विपक्षी दलों के नेताओं ने कृषि विधेयकों और राज्यसभा के आठ सदस्ध्यों के निलंबन के विरोध में संसद भवन परिसर में

प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति से मिलने पहुंचे

विपक्ष के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि राष्ट्रपति ने विपक्षी प्रतिनिधिमंडल को मिलने का समय दिया है। विपक्ष की करीब 16 पार्टियों ने इस मसले पर लेकर राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा है। इससे पहले यह निर्णय लिया गया था कि कोरोना संकट को देखते हुए सदन में सदस्यों की संख्या के आधार पर पांच प्रमुख विपक्षी दलों के पांच प्रतिनिधि राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे। इन दलों में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, सपा, तेलंगाना राष्ट्र समिति और द्रमुक शामिल हैं। मंगलवार को राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद ने कहा था कि कृषि विधेयक के विरोध में उन्होंने राष्ट्रपति को चिट्ठी लगी है।

तख्तियां लेकर मार्च भी किया। वहीं दूसरी ओर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि पूरे देश ने उनका हंगामा देखा है। उपसभापति को चेयर के पास जाकर धमकी दी। ये बिल किसानों के पक्ष में हैं। इन्होंने दुर्व्यवहार किया है। राज्यसभा का, भारतीय संविधान का अपमान किया है। आज मैं माननीय उपराष्ट्रपति जी से मिलकर पत्र देने वाला हूं, उसमें मैंने मांग की है कि यदि कोई इस तरह की गलती करे, तो उसे एक साल के लिए सस्पेंड करना चाहिए। दूसरी बार ऐसी गलती करने पर पूरे कार्यकाल के लिए सस्पेंड करना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि कृषि बिल के खिलाफ विपक्षी पार्टियों के नेता लगातार हमलावर हैं।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने 5 ए-लिस्टर्स को समन भेजा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मुंबई। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने ड्रग्स मामले में बॉलिवुड की 5 ए-लिस्टर्स को समन भेजा है। इनमें दीपिका पादुकोण, सारा अली खान, श्रद्धा कपूर, रकुल प्रीत सिंह और सिमोन खंबाटा शामिल हैं।

बता दें, एनसीबी ने सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद जो ड्रग ऐंगल सामने आया, उसमें कई लोगों से पूछताछ की थी। पूछताछ में इन लोगों का नाम सामने आया था। वहीं, जब ड्रग चौट्स का खुलासा हुआ तो उसमें एन, जे, एस और डी के बीच ड्रग्स को लेकर बातचीत सामने आई थी। फिर यह बात पता चली कि डी का मतलब दीपिका पादुकोण है।

ड्रग चैट में डी यानी दीपिका पादुकोण जिस के से 'माल' यानी ड्रग्स की मांग कर रही हैं, वह के असल में करिश्मा प्रकाश हैं जो KWAN टैलंट मैनजमेंट एजेंसी की कर्मचारी हैं। दीपिका के सवाल पर करिश्मा कहती हैं, श्मेरे पास है लेकिन घर पर है। मैं बांद्रा में

ड्रग्स मामला

दीपिका पादुकोण, सारा, श्रद्धा और रकुल प्रीत समेत 5 को भेजा समन

हूं। करिश्मा आगे कहती हैं, अगर कहो तो मैं अमित से पूछ सकती हूं। इस पर दीपिका का जवाब आता है, हां, प्लीज। करिश्मा कहती हैं, अमित के पास है, वह इसे ले जा रहा है। इस पर दीपिका कहती हैं, हैश न? वीड नहीं।

गौरतलब है कि जब सुशांत की मौत के मामले में रिया चक्रवर्ती से पूछताछ की गई, उन्हें ड्रग्स की बात कबूली। उन्होंने सवाल-जवाब के दौरान बॉलिवुड के 25 बड़े सिलेब्रिटीज के नाम लिए जो ड्रग्स का सेवन करते हैं। इसके बाद रिया को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। फिर जया साहा समेत ड्रग पेडलर्स से पूछताछ की गई जिसमें खुलासा हुआ कि बॉलिवुड के कई बड़े नाम ड्रग्घ्स का सेवन करते हैं। इनमें सारा अली खान, रकुल प्रीत सिंह और श्रद्धा कपूर जैसी टॉप ऐक्ट्रेसेस शामिल हैं।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

भारतीय जवानों की बढ़त से खौफ में चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बातचीत में छिपी है ड्रैगन की कुटिल चाल

पेइचिंग। लद्दाख संकट को सुलझाने के लिए भारत और चीन के बीच जारी वार्ता एक बार फिर से बेनतीजा रही। भारतीय वार्ताकार पूर्वी लद्दाख में सभी विवादित जगहों से सेना को हटाने और यथास्थिति की बहाली की मांग कर रहे हैं। उधर, चीन लगातार इस बात पर जोर दे रहा है कि भारत पैंगोंग झील के दक्षिणी किनारे पर स्थित रणनीतिक रूप से महत्व्वपूर्ण ऊंचाई वाली चोटियों से अपने जवानों को हटाए।

हालांकि भारत और चीन के बीच कमांडर लेवल की छठे दौर की मीटिंग में महत्वपूर्ण सहमति भी बनी है। दोनों ही देशों के सैन्य अधिकारियों ने इस बात पर सहमति जताई है कि भारत और चीन अग्रिम चौकियों पर अब और ज्यादा सैनिक नहीं भेजेंगे। इसके अलावा दोनों पक्ष आपसी समस्याओं को उचित ढंग से सुलझाने, सीमावर्ती क्षेत्रों में संयुक्त रूप से शांति सुनिश्चित करने के लिए व्यावहारिक कदम उठाएंगे। ऐसे में माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में बॉर्डर पर बढ़े तनाव में कमी आएगी।